24

भविष्यवाणी

मत्ती 26:56; यूहन्ना 5:39

''परन्तु जिन बातों को परमेश्वर ने सब भविष्यवक्ताओं के मुख से पहिले ही बताया था, कि उसका मसीह दुख उठाएगा; उन्हें उसने इस रीति से पूरा किया'' (प्रेरितों 3:18)।

जो लोग विश्वास नहीं करना चाहते, उनकी दिलचस्पी भविष्यवाणी में बहुत कम होती है। *इस पर विचार करें!* भविष्यवाणी बाइबल की अखण्डता का एक ज़बर्दस्त प्रमाण है। परमेश्वर ने अपनी हर प्रतिज्ञा पूरी की। फ्लाइड हैमिल्टन ने लिखा है कि पुराने नियम में यीशु के बारे में 332 भविष्यवाणियां पूरी हुई हैं।[1] इनमें से कई तो बहुत ही स्पष्ट हैं। किसी और धर्म के संस्थापक और उद्धारकर्त्ता की भविष्यवाणी नहीं मिलती।

यह संयोग नहीं था कि यीशु ने लोगों में अपनी सेवकाई इस दावे से आरम्भ की कि वह ही तो मसीहा है, जिसकी भविष्यवाणी की गई थी (यशायाह 61:1-3; लूका 4:16-27)। सुनने वालों को उसकी बात साफ समझ आती थी। क्रोध में उन्होंने उसे मार देने की कोशिश की (लूका 4:28-30)। लोगों ने उसके पैतृक नगर में ही उसकी सेवकाई को समाप्त करने का प्रयास किया!

उन भविष्यवाणियों पर विचार करें, जो यीशु ने पूरी कीं।[2] वह अब्राहम की संतान (उत्पत्ति 22:18; प्रेरितों 7:1-6; रोमियों 4:13-25; गलातियों 3:6-16), मूसा जैसा एक नबी (व्यवस्थाविवरण 18:15-22; प्रेरितों 3:22-26) और दाऊद की संतान था (यूहन्ना 7:42; रोमियों 1:3; 2 तीमुथियुस 2:8)। वह दृष्टांतों में बातें करता था (भजन संहिता 78:2; मत्ती 13:34, 35)। वह कुंआरी का पुत्र (यशायाह 7:14; मत्ती 1:23-25), एक गलीली (यशायाह 9:1, 2; मरकुस 14:70; लूका 22:59), अन्यजातियों के लिए प्रकाश (यशायाह 49:6; प्रेरितों 13:46, 47), एक दीन राजा (जकर्याह 9:9; मत्ती 21:1-8), शाखा (यिर्मयाह 23:5; इब्रानियों 7:14), मिस्र में से बुलाया गया (होशे 11:1; मत्ती 2:15) और एक नासरी था (मत्ती 2:23)। वह संसार की नींव रखने से पहले ही हमारा उद्धारकर्त्ता घोषित कर दिया गया था (इफिसियों 1:3, 4; 3:9-11; 1 पतरस 1:20)।

इनमें से कुछ भविष्यवाणियां साधारण अर्थ में दी गई हैं। परन्तु विशेष तौर पर क्रूस के सम्बन्ध में कई विवरण दिए गए हैं, जैसे उसकी मृत्यु का ढंग (भजनसंहिता 22:16; जकर्याह 12:10; यूहन्ना 12:32), सार्वजनिक मृत्यु (व्यवस्थाविवरण 21:22 , 23; प्रेरितों 5:30; 10:39; 13:29; गलातियों 3:13; 1 पतरस 2:24), चांदी के तीस सिक्कों के बदले एक मित्र द्वारा पकड़वाया जाना (भजन संहिता 41:9; जकर्याह 11:12; मत्ती 26:14, 15; 27:3-10), अपने आरोप लगाने वालों के सामने चुप्पी (भजन संहिता 38:13; यशायाह 53:7; मत्ती 26:59-63; मरकुस 14:55-61; 1 पतरस 2:23,

24), डाकुओं के साथ होना (यशायाह 53:12; मत्ती 27:38; मरकुस 15:28; लूका 23:39-43) और हाथों और पैरों में कील ठोके जाना (भजन संहिता 22:16; जकर्याह 12:10; यूहन्ना 20:27)। उसके कपड़ों के लिए पर्चियां डाली गईं (भजन संहिता 22:18; मरकुस 15:24; यूहन्ना 19:23, 24) और उसकी कोई हड्डी नहीं तोड़ी गई थी (भजन संहिता 34:20; यूहन्ना 19:36)। उसे पीने के लिए पित्त मिला हुआ दाखरस दिया गया (भजन संहिता 69:21; मत्ती 27:34; यूहन्ना 19:28-30), धनवान की कब्र में दफ़नाया गया (यशायाह 53:9; मत्ती 27:57-60) और ठुकराया हुआ कोने का पत्थर बना (भजन संहिता 118:22, 23; मत्ती 21:42; प्रेरितों 4:11; रोमियों 9:32, 33)। पिन्तेकुस्त के दिन पतरस ने घोषणा की कि उस दीन राजा को जो गधे पर सवार होकर आया था (जकर्याह 9:9; मत्ती 21:1-11), ''प्रभु भी और मसीह भी'' बना दिया गया है (प्रेरितों 2:36)।

मसीहा के विषय में की गई उसकी भविष्यवाणियों के कारण यशायाह को ''मसीह से जुड़ा नबी'' माना जाता है। नये नियम में उसके लेखों को पचास से अधिक बार दोहराया गया है।[3] मसीह से छह सौ साल पहले उसे परमेश्वर की ओर से मसीहा की विस्तार पूर्वक तस्वीर बनाने की प्रेरणा दी गई थी। पुराने नियम का यशायाह 53 ''परम पवित्र स्थान'' ''दु:खी सेवक का गीत'' है। यहूदी लोग राजनैतिक, सैनिक विजय चाहते थे। उनके मन में दु:खी, मृतक उद्धारकर्त्ता का विचार आया ही नहीं था। उन पर दया करें। स्वर्ग के परमेश्वर की क्रूस पर मरने की बात सोचना सचमुच कठिन है!

यशायाह 53 की बातें कम से कम छह बार दोहराई गई हैं![4] फिलिप्पुस ने हब्शी खोजे को बताया था कि यशायाह 53 वाला व्यक्ति यीशु ही है (प्रेरितों 8:30-35)।

यशायाह 53 की सब क्रियाएं भूतकाल में हैं। भविष्य को इतिहास की तरह घोषित किया जा रहा था। परमेश्वर (यीशु) कल, आज और सर्वदा एक सा है। परमेश्वर के लिए भूत, वर्तमान और भविष्य सब एक जैसी वास्तविकताएं हैं। परमेश्वर की भविष्यवाणियां इतनी हैं कि उन्हें भूतकाल में लिखा जा सकता था। यीशु ने अपने विषय में की गई सब भविष्यवाणियों को पूरा किया। उसने अपनी मृत्यु, दफनाए जाने और जी उठने की भविष्यवाणी की और फिर उनकी एक-एक बात को पूरा किया![5] मसीह का जीवन और मृत्यु पृथ्वी पर सबसे अधिक प्रमाणित तथ्य हैं!

क्रूस ...
और मार्ग ही नहीं है!

टिप्पणियां

[1]फ्लायड हैमिल्टन, *द बेसिस ऑफ़ क्रिश्चियन फेथ,* संशो. व संपा. (न्यू यॉर्क: हार्पर एंड रोअ, 1964), 160. [2]''जीज़स क्राइस्ट, इ डिवाइन सन ऑफ़ गॉड'' *ट्रुथ फॉर टुडे* (अंग्रेज़ी संस्करण, मई 2000): 9-17 में देखें ह्यूगो मेकोर्ड, ''जीज़स: द फुलफिलमेंट ऑफ़ प्रोफेसी इन हिज़ लाइफ।'' [3]ग्लेसन एल. आरचर एंड ग्रेगरी चिरचिग्नो, *ओल्ड टैस्टामेंट कोटेशन्स इन द न्यू टैस्टामेंट* (शिकागो: मूडी प्रैस, 1983), 92-134. [4] वही, 120-24. [5]देखें मत्ती 16:21 (और मरकुस 8:31; लूका 9:22); 17:22, 23 (और मरकुस 9:30-32; लूका 9:43, 44); 20:17-19 (और 10:32-34; लूका 18:33); लूका 24:7, 44-46; यूहन्ना 13:19.